भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

14.12.2022 के

अतारांकित प्रश्न सं. 1249 का उत्तर

वंदे भारत रेलगाड़ियों का निर्यात

1249. श्री बी. मणिक्कम टैगोर:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या रेलवे 300-400 वंदे भारत रेलगाड़ियों को वार्षिक मंजूरी देने की योजना बना रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या यह भी सच है कि रेलवे का लक्ष्य अगले एक वर्ष में वंदे भारत रेलगाड़ी के पहले स्टैंडर्ड गेज के संस्करण का निर्माण करने का है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या रेलवे 2025-26 तक इन रेलगाड़ियों को यूरोप, दक्षिण अमरीका और पूर्वी एशिया के बाजारों में निर्यात करने की योजना बना रहा है;

(घ) यदि हां, तो इन रेलगाड़ियों के निर्यात बाजार का दोहन करने के लिए अब तक क्या कदम उठाए गए हैं;

(ङ) क्या यह भी सच है कि 2024 की पहली तिमाही में ही स्लीपर कोच वाली वंदे भारत रेलगाड़ी के शुरू होने की संभावना है; और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी तथ्य क्या हैं?

उत्तर

रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क): 502 वंदे भारत रेक की मंजूरी प्राप्त कर ली गई है। वंदे भारत गाड़ियों की स्वीकृति के संबंध में और अधिक वंदे भारत गाड़ियों को शामिल करने हेतु यातायात की आवश्यकता के अनुसार विचार किया जाएगा।

(ख) से (घ): भारतीय रेल निर्यात के लिए वंदे भारत गाड़ी के बनाने पर काम कर रहा है। राइट्स लिमिटेड को निर्यात के लिए संभावित बाजार की पहचान करने का कार्य सौंपा गया है।

गेज को अपनाना उस देश पर निर्भर करेगा जहां गाड़ी का निर्यात किया जाना है।

(ङ) एवं (च): गाड़ी सेटों के स्लीपर वर्जन के लेआउट डिजाइन किए गए हैं और उन्हें अंतिम रूप दिया जा रहा है। वंदे भारत गाड़ियों के शयनयान संस्करण को वास्तव में शुरू करना आपूर्ति श्रृंखला पर निर्भर करता है, जो तेजी से विकसित हो रही है।

****